चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 29 अप्रैल 2026, अंक –267.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

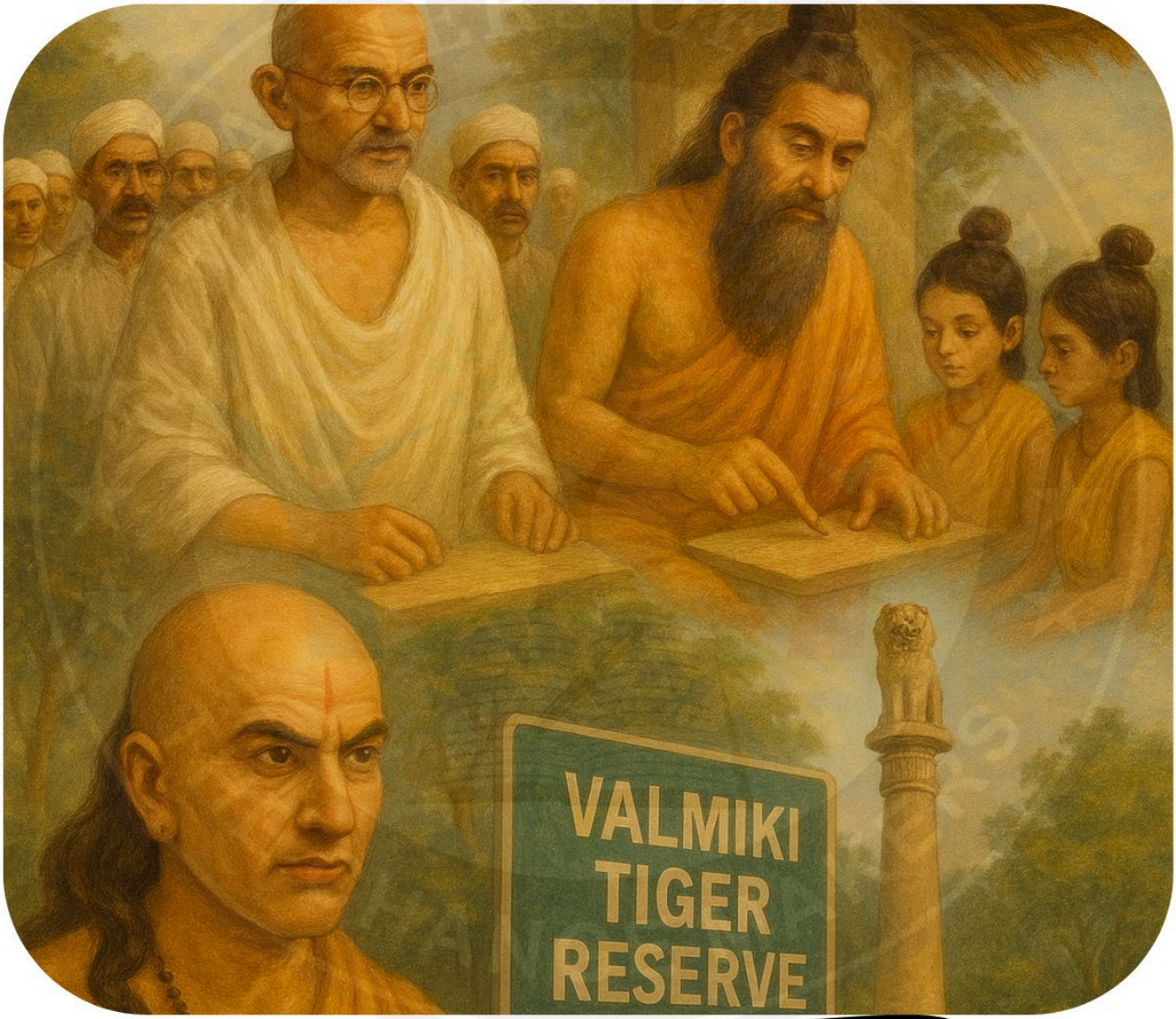

'बंदूक से ज्यादा विचार घातक होता हैं। बंदूक देना आसान है, लेकिन बुद्धि देना कठिन।' -Dr. B.R. Ambedkar

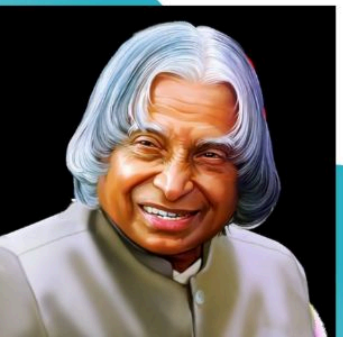

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Wednesday Prayer

तू ही राम है, तू रहीम है,
तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु तू यीशू मसीह
हर नाम में तू समा रहा।
तू ही राम है.....।

तेरी जात पाक कुरान में,
तेरा दरस वेद पुराण में।
गुरु ग्रन्थजी क ी बखान में,
तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है.....।

अरदास है कहीं कीरतन
कहीं रामधुन कहीं आवहन।
विधि भेद का यह है सब रचन,
तेरा भक्त तुझको बुला रहा।
तू ही राम है.....।

तेरा गुण नहीं हम गा सकें,
तुझे कैसे मन में ध्या सकें।
है दुआ यहीं तुझे पा सकें,
तेरे दर पे सर ये झुका हुआ।
तू ही राम है.....।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

अनुभाग-2

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. इटली की राजधानी क्या है?
उत्तर: रोम
प्रश्न 2. भारत के पहले नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) कौन थे?
उत्तर: वी. नरहरि राव
प्रश्न 3. बिहू के कितने प्रमुख प्रकार होते हैं?
उत्तर: तीन
प्रश्न 4. 343 का घनमूल क्या है?
उत्तर: 7
प्रश्न 5. बिहार का राजकीय प्रतीक किस वृक्ष से जुड़ा है?
उत्तर: बोधि वृक्ष
प्रश्न 6. नीलगिरि बायोस्फीयर रिजर्व किन राज्यों में फैला है?
उत्तर: तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक
प्रश्न 7. बारूद (गनपाउडर) का आविष्कार किस देश में हुआ?
उत्तर: चीन
प्रश्न 8. भारत के राष्ट्रपति को शपथ कौन दिलाता है?
उत्तर: मुख्य न्यायाधीश
प्रश्न 9. 'गंगा' शब्द किस प्रकार की संज्ञा है?
उत्तर: व्यक्तिवाचक
प्रश्न 10. वायु में सबसे अधिक कौन-सी गैस पाई जाती है?
उत्तर: नाइट्रोजन

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1. Job – (जॉब) – काम / नौकरी
2. Money – (मनी) – पैसा
3. Shop – (शॉप) – दुकान
4. Office – (ऑफिस) – कार्यालय
5. Bus – (बस) – बस
6. Train – (ट्रेन) – रेलगाड़ी
7. Ticket – (टिकट) – टिकट

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "वे ... रहे/रही हैं" (They are ...ing)

वे पढ़ रहे हैं। – They are reading.
वे लिख रहे हैं। – They are writing.
वे खेल रहे हैं। – They are playing.
वे खा रहे हैं। – They are eating.
वे सीख रहे हैं। – They are learning.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटाहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 29 अप्रैल को नृत्य की कला के सम्मान में कौन सा दिवस मनाया जाता है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस
व्याख्या: प्रतिवर्ष 29 अप्रैल को 'International Dance Day' मनाया जाता है। इसकी शुरुआत यूनेस्को के अंतर्राष्ट्रीय थिएटर संस्थान ने की थी। यह दिन आधुनिक बैले के निर्माता जीन-जॉर्जेस नोवरे की याद में मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य कला के माध्यम से सांस्कृतिक दूरियों को कम करना है।
संदर्भ: UNESCO / International Theatre Institute (2026).

2. हाल ही में 'इसरो' (ISRO) ने किस ग्रह के अध्ययन के लिए 'शुक्रयान-1' मिशन की घोषणा की है? (समसामयिकी)
उत्तर: शुक्र (Venus)
व्याख्या: वर्ष 2026 में भारत का 'शुक्रयान-1' मिशन चर्चा में है, जिसका लक्ष्य शुक्र ग्रह के वायुमंडल और उसकी सतह के नीचे के रहस्यों का पता लगाना है। यह अंतरिक्ष विज्ञान में भारत की बढ़ती शक्ति और ग्रहों के गहन अध्ययन की दिशा में एक बड़ा कदम है।
संदर्भ: ISRO Mission Roadmap, April 2026.

3. विश्व का सबसे प्राचीन ग्रंथ (वेद) कौन सा माना जाता है? (पुस्तक - लेखक)
उत्तर: ऋग्वेद
व्याख्या: ऋग्वेद की रचना लगभग 3500 वर्ष पूर्व हुई थी। इसमें 1000 से अधिक प्रार्थनाएँ हैं, जिन्हें 'सूक्त' कहा जाता है। यह प्राचीन भारतीय ज्ञान और वैदिक काल की सामाजिक संरचना को समझने का सबसे महत्वपूर्ण साहित्यिक स्रोत है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 4 What Books and Burials Tell Us, p. 35.

4. पृथ्वी के चारों ओर फैली वायु की पतली परत को क्या कहते हैं? (पर्यावरण)
उत्तर: वायुमंडल (Atmosphere)
व्याख्या: वायुमंडल पृथ्वी का वह हिस्सा है जो गुरुत्वाकर्षण के कारण इससे जुड़ा है। यह हमें सूर्य की हानिकारक किरणों (UV rays) से बचाता है। इसमें जीवन के लिए आवश्यक गैसें संतुलित मात्रा में मौजूद हैं। यह पर्यावरण का एक मुख्य आधार स्तंभ है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 4 Air, p. 20.

5. प्राचीन काल में 'इनामगाँव' पुरास्थल किस आधुनिक राज्य में स्थित है? (इतिहास)
उत्तर: महाराष्ट्र
व्याख्या: इनामगाँव भीमा की सहायक नदी 'घोड़' के किनारे स्थित एक महत्वपूर्ण पुरास्थल है। यहाँ से पुरापाषाण काल के लोगों के रहने और शवों को दफनाने के विशिष्ट तरीके मिले हैं। यह स्थान ताम्रपाषाण कालीन संस्कृति के अध्ययन के लिए विख्यात है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 4 What Books and Burials Tell Us, p. 39.

6. पृथ्वी सूर्य के चारों ओर एक निश्चित पथ पर जो चक्कर लगाती है, उसे क्या कहते हैं? (भूगोल)
उत्तर: परिक्रमण (Revolution)
व्याख्या: पृथ्वी द्वारा सूर्य के चारों ओर अपनी कक्षा (Orbit) में घूमने की गति को 'परिक्रमण' कहा जाता है। एक परिक्रमण पूरा करने में 365\frac{1}{4} दिन (1 वर्ष) का समय लगता है। इसी गति के कारण पृथ्वी पर ऋतु परिवर्तन (Seasons) होते हैं।
संदर्भ: NCERT Class 6 Geography, Ch 3 Motions of the Earth, p. 19.

7. भारतीय संविधान में 'अस्पृश्यता' (Untouchability) का अंत किस अनुच्छेद द्वारा किया गया है? (संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 17
व्याख्या: अनुच्छेद 17 के तहत अस्पृश्यता को समाप्त कर दिया गया है और इसका किसी भी रूप में अभ्यास करना दंडनीय अपराध है। यह कानून समानता के अधिकार को सुदृढ़ करता है और सामाजिक भेदभाव को मिटाने के लिए संवैधानिक सुरक्षा कवच है।
संदर्भ: NCERT Class 11 Pol. Science, Ch 2 Rights in the Indian Constitution, p. 30.

8. पौधों की पत्तियों में पाए जाने वाले 'हरे वर्णक' को क्या कहते हैं? (विज्ञान)
उत्तर: क्लोरोफिल
व्याख्या: क्लोरोफिल (Chlorophyll) पौधों की पत्तियों में मौजूद होता है, जो सूर्य के प्रकाश को अवशोषित करने में मदद करता है। इसके बिना प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया संभव नहीं है। यह विज्ञान के 'पादप पोषण' अध्याय का एक मुख्य तत्व है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Science, Ch 1 Nutrition in Plants, p. 3.

9. 'शास्त्रीय संगीत' की दो प्रमुख पद्धतियाँ कौन सी हैं? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: हिंदुस्तानी और कर्नाटक
व्याख्या: भारतीय शास्त्रीय संगीत दो मुख्य धाराओं में विभाजित है: उत्तर भारत में प्रचलित 'हिंदुस्तानी शैली' और दक्षिण भारत में प्रचलित 'कर्नाटक शैली'। यह वर्गीकरण भारत की विविध और समृद्ध संगीत परंपरा का परिचायक है।
संदर्भ: NCERT Class 7 History, Ch 9 The Making of Regional Cultures, p. 125.

10. बिहार के किस स्थान पर 'विक्रमशिला विश्वविद्यालय' के अवशेष स्थित हैं? (बिहार GK)
उत्तर: भागलपुर
व्याख्या: पाल वंश के शासक धर्मपाल द्वारा स्थापित विक्रमशिला विश्वविद्यालय प्राचीन भारत में शिक्षा का एक प्रमुख केंद्र था। इसके अवशेष भागलपुर जिले के अंतिचक गाँव में मिले हैं। यह बिहार की गौरवशाली शैक्षणिक विरासत का प्रतीक है।
संदर्भ: Bihar Heritage / NCERT Class 7 History (References).

"सामान्य-ज्ञान"

11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अनुसार, 'लू' से बचाव हेतु कौन सा पेय फल लाभदायक है? (विद्यालय सुरक्षा)
उत्तर: कच्चा आम (पन्ना)
व्याख्या: सुरक्षित शनिवार (अप्रैल) की वार्षिक सारणी के अनुसार, भीषण गर्मी में शरीर के तापमान को संतुलित रखने के लिए 'आम पन्ना' या बेल का शरबत सबसे उत्तम घरेलू उपाय है। यह प्राकृतिक रूप से लू के प्रभाव को कम करने में सहायक है।
संदर्भ: बिहार आपदा प्रबंधन विभाग (BSDMA); सुरक्षित शनिवार मार्गदर्शिका।

12. मेरे पास बहुत से दांत हैं, पर मैं काट नहीं सकता। बताओ मैं क्या हूँ? (रीजनिंग)
उत्तर: कंघी
व्याख्या: कंघी (Comb) में दांत होते हैं जिनका उपयोग बालों को संवारने में किया जाता है, लेकिन वे किसी जीवित प्राणी की तरह काट नहीं सकते। यह पहेली बच्चों के अवलोकन कौशल और वस्तुओं के गुणों को समझने की तार्किक शक्ति को बढ़ाती है।

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Fervent (फर्वेन्ट) = Passionate (पैशनेट) = उत्साही / जोशीला
Antonym – Apathetic (एपैथेटिक) = उदासीन
Guile (गाइल) = Deceit (डिसीट) = छल / कपट
Antonym – Honesty (ऑनेस्टि) = ईमानदारी
Haughty (हॉटी) = Arrogant (एरोगेंट) = घमंडी
Antonym – Humble (हम्बल) = विनम्र
Induce (इंड्यूस) = Persuade (पर्सुएड) = प्रेरित करना / राज़ी करना
Antonym – Deter (डिटर) = हतोत्साहित करना
Jeopardize (जिओपर्डाइज़) = Endanger (एन्डेंजर) = खतरे में डालना
Antonym – Safeguard (सेफगार्ड) = सुरक्षित रखना

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Prime Minister inaugurates 'Bharat-NCX 2026'; India's largest National Cyber Security Exercise to protect critical information infrastructure.
प्रधानमंत्री ने 'भारत-NCX 2026' का उद्घाटन किया; महत्वपूर्ण सूचना बुनियादी ढांचे की रक्षा के लिए भारत का अब तक का सबसे बड़ा राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा अभ्यास शुरू।

ISRO successfully test-fires 'Indus-3' semi-cryogenic engine for human-rated GSLV missions; enhances payload capacity for Gaganyaan.
इसरो ने मानव-रेटेड GSLV मिशनों के लिए 'इंडस-3' सेमी-क्रायोजेनिक इंजन का सफल परीक्षण किया; यह गगनयान की पेलोड ले जाने की क्षमता को बढ़ाएगा।

Ministry of Education and NCERT announce 'Digital Basta 3.0'; target to provide 100% interactive AI-learning resources for Classes 1-8.
शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी ने 'डिजिटल बस्ता 3.0' की घोषणा की; कक्षा 1-8 के लिए 100% इंटरैक्टिव एआई-लर्निंग संसाधन उपलब्ध कराने का लक्ष्य।

INTERNATIONAL NEWS

United Nations adopts 'Global Artificial Intelligence Governance Framework' to ensure ethical AI deployment and prevent disinformation.
संयुक्त राष्ट्र ने 'वैश्विक एआई शासन ढांचा' अपनाया; एआई के नैतिक उपयोग और भ्रामक सूचनाओं (Disinformation) को रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानक तय।

BBC News: World Bank announces $25 Billion 'Climate Resilient Infrastructure Fund' for Global South nations during Earth Summit.
बीबीसी न्यूज़: पृथ्वी शिखर सम्मेलन के दौरान विश्व बैंक ने 'ग्लोबल साउथ' देशों के लिए 25 बिलियन डॉलर के 'जलवायु लचीला बुनियादी ढांचा कोष' की घोषणा की।

WHO reports 30% reduction in global Malaria cases following mass rollout of 'R21/Matrix-M' vaccine in endemic regions.
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की रिपोर्ट: 'R21/Matrix-M' वैक्सीन के व्यापक उपयोग के बाद वैश्विक मलेरिया मामलों में 30% की कमी दर्ज की गई।

BIHAR NEWS

Bihar Government to establish 'State Research and Innovation Hub' in Darbhanga to facilitate SCERT-aligned vocational research.
बिहार सरकार दरभंगा में 'राज्य अनुसंधान एवं नवाचार हब' स्थापित करेगी, जो एससीईआरटी-संरेखित व्यावसायिक अनुसंधान को बढ़ावा देगा।

Chief Minister launches 'Nirmal Ganga Mission 2.0'; special focus on 100% sewage treatment in 12 riparian districts of Bihar.
मुख्यमंत्री ने 'निर्मल गंगा मिशन 2.0' लॉन्च किया; बिहार के गंगा किनारे बसे 12 जिलों में 100% सीवेज उपचार पर विशेष ध्यान।

SPORTS NEWS

Indian Grandmaster R. Praggnanandhaa wins Candidates Chess Tournament 2026; becomes World Championship Challenger.
भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानंद ने कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट 2026 जीता; वह अब विश्व चैंपियनशिप के लिए आधिकारिक चैलेंजर बने।

Ministry of Sports launches 'Asmita Women's League 2.0' to promote 25 indigenous and Olympic sports among girl students.
खेल मंत्रालय ने छात्राओं के बीच 25 स्वदेशी और ओलंपिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए 'अस्मिता महिला लीग 2.0' की शुरुआत की।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"करेंट अफेयर्स का नियमित अध्ययन ही प्रतियोगी सफलता की सबसे मजबूत नींव है।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग
"नृत्य की असली पहचान"

विद्यालय में आज चर्चा का विषय था—नृत्य और आत्मविश्वास। सभी छात्र उत्सुकता से सुन रहे थे।

मैडम जी ने पूछा—

"बच्चों, क्या नृत्य केवल मनोरंजन है या इससे कुछ सीख भी मिलती है?"

कुछ बच्चों ने कहा—"मनोरंजन", तो कुछ ने कहा—"कला"।

मैडम जी मुस्कुराईं और बोलीं—

"नृत्य केवल कदमों की चाल नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और भावनाओं की अभिव्यक्ति है।"

फिर उन्होंने एक कहानी सुनाई—

एक छात्रा थी सीमा। उसे नृत्य बहुत पसंद था, लेकिन वह मंच पर आने से डरती थी। उसे लगता था कि लोग उसका मजाक उड़ाएंगे।

विद्यालय में नृत्य प्रतियोगिता की घोषणा हुई। मैडम जी ने सीमा को भाग लेने के लिए कहा। पहले तो वह घबरा गई, लेकिन मैडम जी ने समझाया—

"अगर तुम अपनी कला को छिपाओगी, तो वह कभी निखर नहीं पाएगी।"

सीमा ने हिम्मत जुटाई और रोज़ अभ्यास करने लगी। उसने अपनी गलतियों को सुधारा और आत्मविश्वास बढ़ाया।

प्रतियोगिता के दिन वह मंच पर पहुँची। शुरुआत में वह थोड़ी डरी हुई थी, लेकिन जैसे-जैसे संगीत बजा, उसने अपने डर को पीछे छोड़ दिया और पूरे मन से नृत्य किया।

जब उसका प्रदर्शन समाप्त हुआ, तो पूरे विद्यालय में तालियाँ गूंज उठीं। सीमा ने न केवल प्रतियोगिता जीती, बल्कि अपने डर पर भी जीत हासिल की।

मैडम जी ने कहा—

"बच्चों, असली जीत वही है, जब हम अपने डर को हराते हैं।"

सभा के अंत में सभी छात्रों ने संकल्प लिया—

"हम अपनी प्रतिभा को पहचानेंगे और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे।"

🌟 संदेश : "नृत्य हो या जीवन—आत्मविश्वास से ही असली पहचान बनती है।"

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

NEP 2020 का विजन — रटने से 'सीखने' की ओर

शिक्षक साथियों, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 कोई साधारण दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि यह एक 'विजन डॉक्यूमेंट' है जो भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति (Global Knowledge Superpower) बनाने का संकल्प है। इस नीति का सबसे बड़ा विजन यह है कि हमारी शिक्षा प्रणाली ऐसी हो जो केवल अंक या डिग्री न दे, बल्कि छात्र के 'विवेक' को जागृत करे। इसका मुख्य लक्ष्य शिक्षा के केंद्र में 'पाठ्यक्रम' (Syllabus) को हटाकर 'बालक' (Student) को लाना है।

NEP 2020 का विजन तीन मुख्य स्तंभों पर टिका है: पहुंच (Access), समानता (Equity) और गुणवत्ता (Quality)। यह नीति मानती है कि शिक्षा का अर्थ केवल साक्षर होना नहीं है, बल्कि छात्र में आलोचनात्मक सोच (Critical Thinking) और समस्या समाधान (Problem Solving) के कौशल विकसित करना है। सरल शब्दों में कहें तो, अब हमें बच्चों को यह नहीं सिखाना है कि "क्या सोचना है" (What to think), बल्कि यह सिखाना है कि "कैसे सोचना है" (How to think)। यह बदलाव शिक्षक की भूमिका को 'सूचना देने वाले' से बदलकर एक 'मार्गदर्शक' के रूप में स्थापित करता है।

उदाहरण:

इसे एक कक्षा की स्थिति से समझते हैं। मान लीजिए आप 'यातायात के नियम' पढ़ा रहे हैं। पुराना तरीका यह था कि बच्चों को 10 नियम रटा दिए जाएं और वे परीक्षा में लिख दें। लेकिन NEP के विजन के अनुसार, शिक्षक बच्चों से कहेगा— "कल्पना करो कि हमारे शहर में कोई ट्रैफिक सिग्नल न हो, तो क्या चुनौतियाँ आएंगी?" यहाँ बच्चा रटे हुए उत्तर नहीं देगा, बल्कि वह अपनी तर्कशक्ति (Reasoning) का उपयोग करेगा। वह नियमों के पीछे के 'तर्क' को समझेगा। जब बच्चा खुद कारण ढूँढता है, तो वह ज्ञान उसके चरित्र का हिस्सा बन जाता है। यही NEP का 'समग्र विकास' (Holistic Development) है।

शिक्षक साथियों, इस विजन को सफल बनाने की जिम्मेदारी हम शिक्षकों के कंधों पर है। यह नीति 'रटने की पद्धति' (Rote Learning) को पूरी तरह समाप्त कर 'अवधारणात्मक समझ' (Conceptual Understanding) पर बल देती है। इसका अर्थ है कि यदि बच्चा गणित का कोई सवाल गलत भी करता है, लेकिन उसका 'तरीका' सही है और वह उसके पीछे के तर्क को समझता है, तो शिक्षक उसे प्रोत्साहित करेगा।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि हमें अपनी कक्षाओं को 'उत्तर देने वाली मशीन' बनाने के बजाय 'प्रश्न पूछने वाली कार्यशाला' बनाना है। जब तक बच्चा "क्यों?" और "कैसे?" पूछना नहीं सीखेगा, तब तक शिक्षा का विजन पूरा नहीं होगा। आज चिंतन कीजिएगा कि क्या आपकी कक्षा में बच्चों को 'गलती करने' और 'सवाल पूछने' की आजादी है?

.....✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

हिन्दुस्तान

स्कूली बच्चे देश दुनिया की खबरों से प्रत्येक दिन हो रहे रु-ब-रु

विशेष

- चेतना सत्र में बच्चों को दी जा रही जानकारी
- बगहा-2 प्रखंड के दर्जनों स्कूल में एचएम की पहल

बगहा,हमारे संवाददाता। बगहा-2 प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में इन दिनों पारंपरिक पढ़ाई के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षकों व प्रधानाध्यापकों की पहल पर एक दर्जन से अधिक स्कूलों में छात्रों को सामान्य ज्ञान और समसामयिक विषयों की जानकारी देकर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जा रहा है। चेतना सत्र को अब केवल प्रार्थना तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे ज्ञानवर्धक सत्र का रूप दे दिया गया है। प्रतिदिन सुबह चेतना सत्र के दौरान राष्ट्रगीत और प्रार्थना के साथ-साथ उस दिन की तिथि से जुड़ी ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जानकारियां भी विद्यार्थियों को दी जा रही हैं। इससे छात्रों का सामान्य ज्ञान बढ़ रहा है और वे विभिन्न विषयों के प्रति जागरूक हो रहे हैं। प्रधानाध्यापक दयाशंकर साह,

प्राथमिक विद्यालय पटेहरा में चेतना सत्र के दौरान बच्चों को जानकारी देतीं शिक्षिकाएं।

प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार, नीतू कुमारी सहित शिक्षकों ने पिंटू कुमार, शैलेश पासवान, तीरेन्द्र राम सहित दर्जनों ने बताया कि सरकारी विद्यालय किसी भी स्तर पर निजी विद्यालयों से बेहतर है। किताबी ज्ञान के साथ ही साथ व्यवहारिक, प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ समसामयिक ज्ञान से उनको रुबरु कराया जाता है। इसके अलावा चेतना सत्र में ही हर दिन एक साहित्यकार और उनके साहित्य के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। शिक्षक छात्रों को प्रमुख कवियों, लेखकों और उनके रचनात्मक योगदान के बारे में बताते हैं। शिक्षकों का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों को सिर्फ पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर उन्हें व्यापक ज्ञान देना है, ताकि भविष्य में वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।बगहा-2 प्रखंड के कई सरकारी विद्यालयों में चेतना सत्र को अधिक ज्ञानवर्धक और रोचक बनाने की पहल की जा रही है। यहां प्रतिदिन चेतना सत्र के दौरान छात्रों को एक सुविचार के साथ सामान्य ज्ञान के पांच प्रश्न भी पूछे जा रहे हैं। इसके अलावा शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को प्रेरणादायक कहानियां भी सुनाई जा रही हैं, जिससे उनमें नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच का विकास हो सके। बगहा दो के बीईओ फूदन राम ने बताया कि चेतना सत्र के दौरान बच्चो को समसामयिक ज्ञान के साथ ही साथ कई जानकारियो से रुबरु कराया जाता है।

अनुभाग-8

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 42

अपराध अन्वेषण और डिजिटल सुरक्षा – फोरेंसिक साइंस और साइबर सिक्योरिटी में कैरियर

'संपादकीय'

मेरे प्रिय छात्र-छात्राओं,

आज के दौर में जैसे-जैसे तकनीक बढ़ रही है, अपराधों का स्वरूप भी बदल रहा है। अब अपराधी केवल सड़कों पर नहीं, बल्कि कंप्यूटर और इंटरनेट के माध्यम से भी सक्रिय हैं। यदि आपको रहस्य सुलझाना, जासूसी करना या नई तकनीक के माध्यम से सच का पता लगाना पसंद है, तो फोरेंसिक साइंस और साइबर सुरक्षा आपके लिए एक रोमांचक और उच्च वेतन वाला कैरियर विकल्प हो सकता है।

1. कोर्स का विवरण और अर्हता:

- B.Sc in Forensic Science: इसमें अपराध स्थल से साक्ष्य जुटाने, फिंगरप्रिंट विश्लेषण और डीएनए टेस्ट जैसे विषयों को पढ़ाया जाता है। (पात्रता: इंटरमीडिएट विज्ञान - PCB/PCM)।
- Cyber Security / Ethical Hacking: इसमें कंप्यूटर सिस्टम को हैकर्स से बचाने और डिजिटल डेटा की सुरक्षा करना सिखाया जाता है। (पात्रता: इंटरमीडिएट किसी भी संकाय से, लेकिन गणित/कंप्यूटर विषय वालों को प्राथमिकता)।

2. नामांकन की विधि एवं प्रमुख संस्थान:

बिहार और भारत के प्रमुख संस्थानों में प्रवेश के लिए अक्सर प्रवेश परीक्षा देनी होती है।

- प्रमुख संस्थान: राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (RRU), पसवा (बिहार कैंपस प्रस्तावित), और नेशनल फॉरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी (NFSU)। बिहार के कुछ विश्वविद्यालयों में भी वोकेशनल कोर्स के रूप में इसकी शुरुआत हुई है।
- नामांकन: NFAT (National Forensic Admission Test) जैसी परीक्षाओं के माध्यम से।
- वेबसाइट: nfsu.ac.in और rru.ac.in

3. भविष्य एवं रोजगार की संभावना:

इस क्षेत्र के विशेषज्ञों की मांग सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में बहुत तेजी से बढ़ रही है:

- सरकारी क्षेत्र: स्टेट फॉरेंसिक लैब (बिहार), CBI, IB, पुलिस विभाग (साइबर सेल) और बैंकों में 'साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ' के रूप में।
- निजी क्षेत्र: बड़ी आईटी कंपनियां, डेटा सुरक्षा एजेंसियां और बीमा कंपनियों में जाँच अधिकारी के रूप में। इसमें शुरुआती वेतन ₹40,000 से ₹80,000 प्रति माह तक हो सकता है।

4. वित्तीय सहायता:

- बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड: चूंकि ये कोर्सेज तकनीकी और व्यावसायिक श्रेणी में आते हैं, इसलिए बिहार सरकार इसके लिए ₹4 लाख तक का ऋण प्रदान करती है।
- स्कॉलरशिप: केंद्र सरकार की 'साइबर सुरक्षा स्कॉलरशिप' और राज्य सरकार के पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा सहायता दी जाती है।
- वेबसाइट: 7nischay-yuvaupmission.bihar.gov.in

मेरी सलाह: डिजिटल युग में डेटा ही सबसे बड़ी शक्ति है। यदि आप लीक से हटकर कुछ चुनौतीपूर्ण करना चाहते हैं, तो इस क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करें।

कल के पत्र (संख्या 43) में हम मैट्रिक के बाद 'इलेक्ट्रिकल और होम अप्लायंसेज रिपेयरिंग' जैसे कौशल आधारित स्वरोजगार कोर्सेज पर चर्चा करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

आपका मार्गदर्शक

.....✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए...!!!

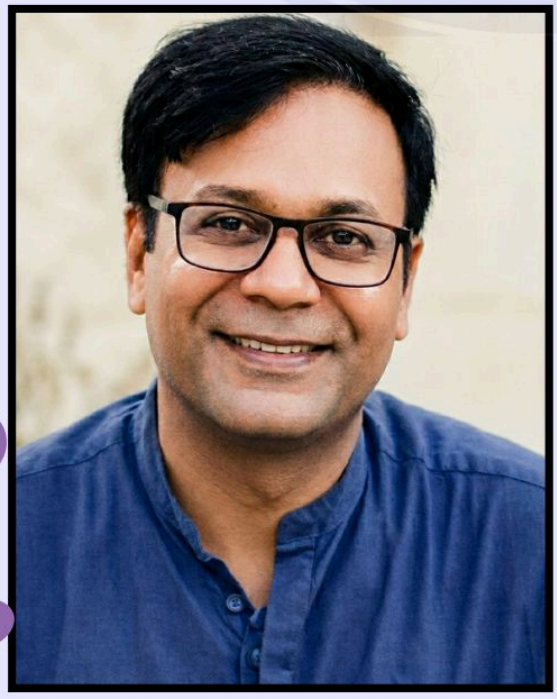

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org